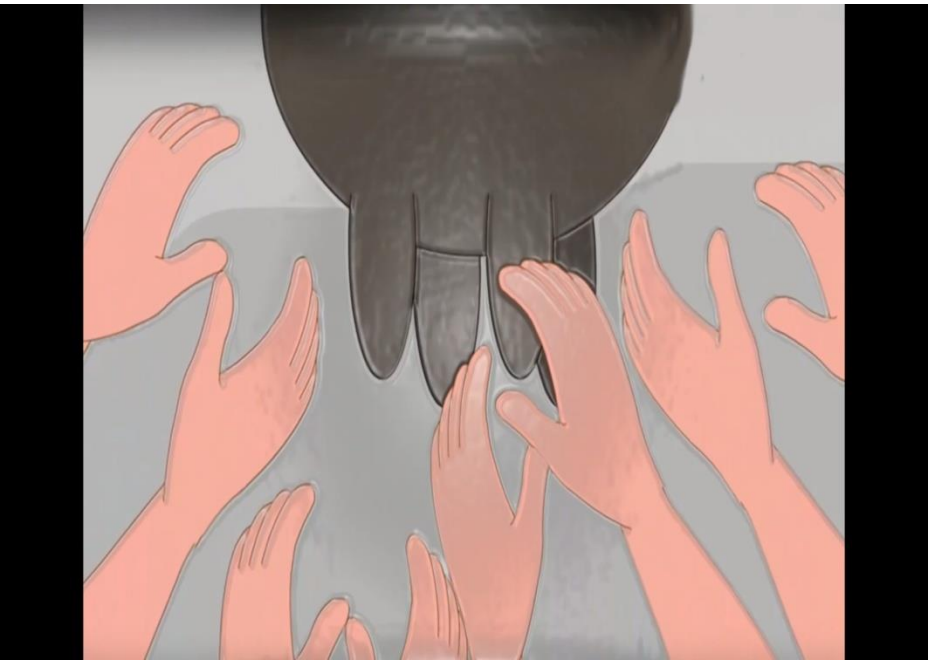

कक्षा आठवीं, हस्त-पत्रक, 3/3

Module – Handout (3/3)

श्री हरि शंकर त्रिपाठी, टी.जी.टी.(एस.एस.)
ए.ई.सी.एस. -2, मुम्बई.

विषय – हिन्दी

पाठ–10 कामचोर

लेखिका:– इस्मत चुगताई

भाग- 3

- इस भाग में कहानीकार ने बताया है कि बच्चों के मन में अब भी रात में खान न मिलने की धमकी गूँज रही थे। अब सबने भैंस दुहने का मन बनाया। वे धुली- बेधुली बाल्टी लेकर दूध दुहने की योजना में जुट गए। भैंस के चार थनों पर आठ-आठ हाथ। भैंस बाल्टी को लात मार दूर जा खड़ी हुई।

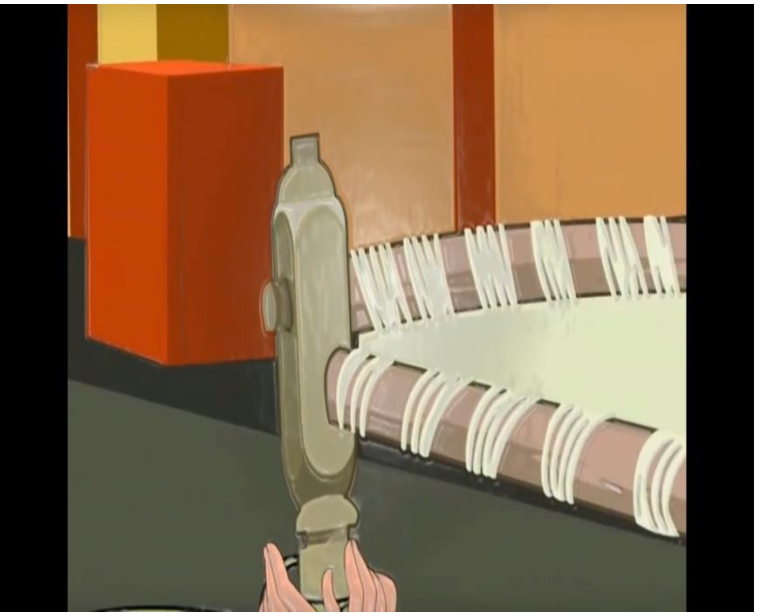

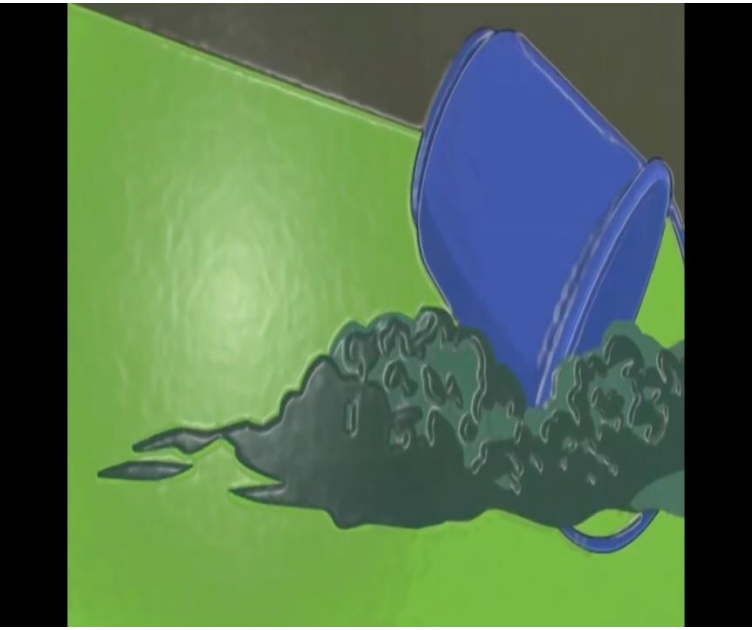

अब बच्चों ने भैंस के पिछले पैरों में रस्सी बाँधकर उसे चारपाई सो रहे चाचा जी की से बाँध दिया। वे उसके अगले पैरों को बाँधना ही चाहते थे कि भैंस चौकन्नी होकर चारपाई सहित भाग खड़ी हुई। चारपाई पानी के ड्रम से टकराई तो पानी छलकने से चाचा जी जग गए । वे यूँ ही बच्चों को छोड़ देने वालों को बुर-भला कहने लगे।

इसी समय बच्चों को अचानक भैंस के बच्चे को खोलने का ध्यान आया। अपने बच्चेको देखते ही भैस रुक गई। भैंस का बच्चा तत्काल दूध पीने में जुट गए। बच्चे भी अपने-अपने बर्तन लेकर लपके। कुछ दूध ज़मीन पर ,कुछ कपड़ों पर तथा दो-चार धारें बर्तन में पड़ी, बाकी उसका बच्चा पी गया।

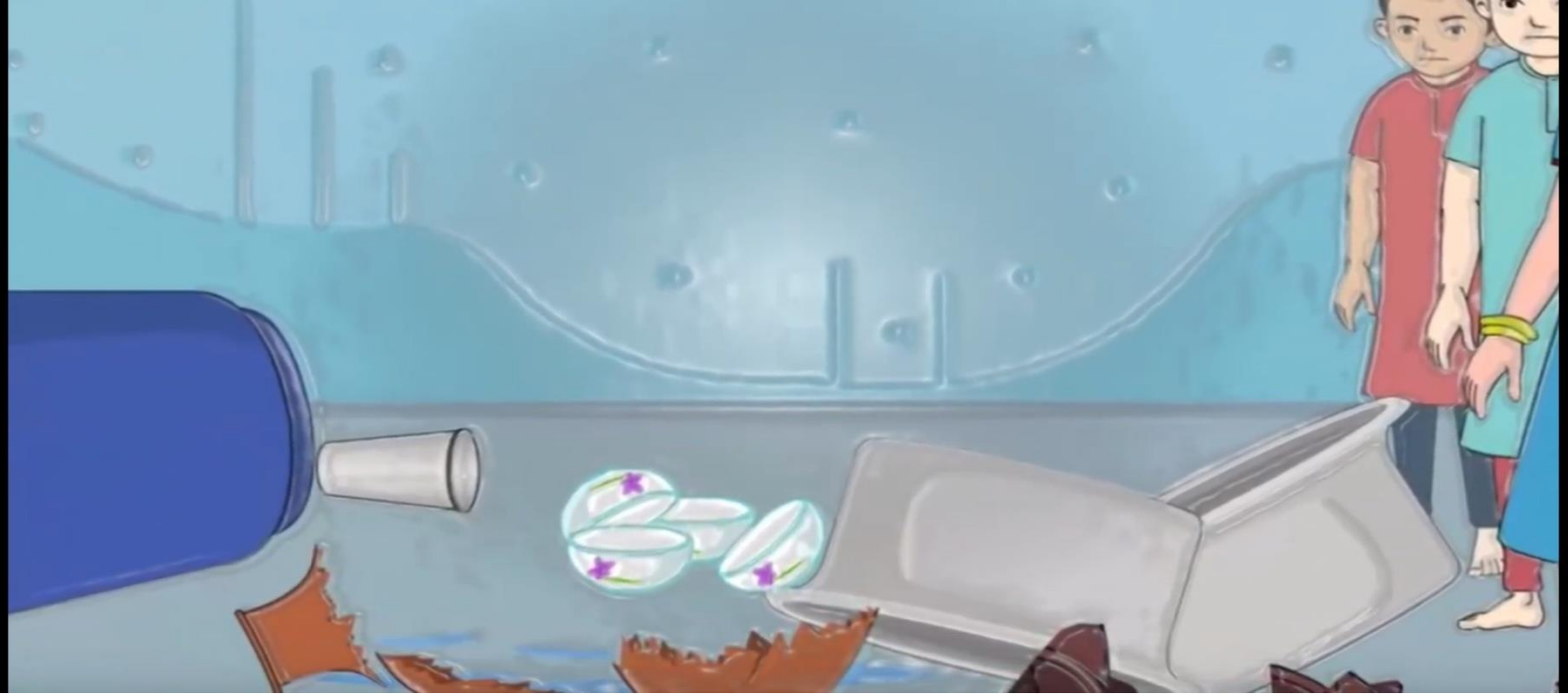

इस तरह पूरे घर की दुर्दशा हो गई। यह सब देख अम्मा ने मायके जाने की धमकी दे डाली। अब अब्बा ने पुन: बच्चों को किसी चीज़ को हाथ न लगाने का फ़रमान (आदेश) जारी किया। उधर बच्चों ने भी सोच लिया किया अब वे हिलकर पानी भी नहीं पिएँगे।

शिक्षा:- इस कहानी से यह शिक्षा मिलती है कि हमें शुरु से ही बच्चों को अपने साथ रखकर छोटे-मोटे काम करवाने की आदत डालनी चाहिए। काम करवाते समय पैसों का प्रलोभन तो बिलकुल नहीं देना चाहिए।